अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम (आईईएफ) का उद्देश्य इसके सदस्य देशों के बीच आपसी समझ को और ज्यादा बढ़ाना तथा ऊर्जा संबंधी साझा हितों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसके 72 सदस्य देशों ने उस आईईएफ चार्टर पर हस्ताक्षर कर रखे हैं जिसमें इस अंतर - सरकारी व्यवस्था के जरिये वैश्विक ऊर्जा संवाद की रूपरेखा को रेखांकित किया गया है। इनके अलावा 20 अन्य देश भी इस बैठक में विशेष आमंत्रित के रूप में भाग लेंगे।
- समस्त छह महाद्वीपों को कवर करने वाला और तेल एवं गैस की वैश्विक आपूर्ति एवं मांग में लगभग 90 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाला आईईएफ इस दृष्टि से अनोखा है कि इसमें न केवल आईईए और ओपेक के उपभोक्ता एवं उत्पादक देश शामिल हैं , बल्कि इस मामले में बदलाव या संक्रमण के दौर से गुजर रहे (ट्रांजिट) देश और इन संगठनों की सदस्यता के दायरे से बाह र रहने वाले कई देश जैसे कि अर्जेंटीना , चीन, भारत, मेक्सिको, रूस और दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हैं।
- 'आईईएफ16' की मेजबानी भारत और सह -मेजबानी चीन एवं कोरिया कर रहे हैं। 'आईईएफ16' का लक्ष्य इस बात पर फोकस करना है कि वैश्विक स्तर पर होने वाले बदलाव, संक्रमणकालीन नीतियां और नई प्रौद्योगिकियां किस तरह से बाजार में स्थिरता के साथ-साथ ऊर्जा क्षेत्र में भावी निवेश को प्रभावित करती हैं। 'ऊर्जा सुरक्षा एवं प्रणाली में लचीलापन किस तरह से ऊर्जा संक्रमण मार्गों के साथ विकसित होंगे और वैश्विक आर्थिक, जनसांख्यिकीय एवं पर्यावरण चुनौतियों का सामना करेंगे' विषय पर मंत्रियों और औद्योगिक हस्तियों के बीच होने वाले संवाद से एक ऐसे ऊर्जा संबंधी भविष्य को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी जो सभी के लिए किफायती , उत्पादक, टिकाऊ और तटस्थ बना रहेगा।